दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन

A Two-Day National Conference

विकसित भारत @ 2047: अनुसंधान, भारतीय भाषा, एवं भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता

Viksit Bharat @ 2047: Relevancy of Research, Indian Language and Bhartiya Gyan Parampara

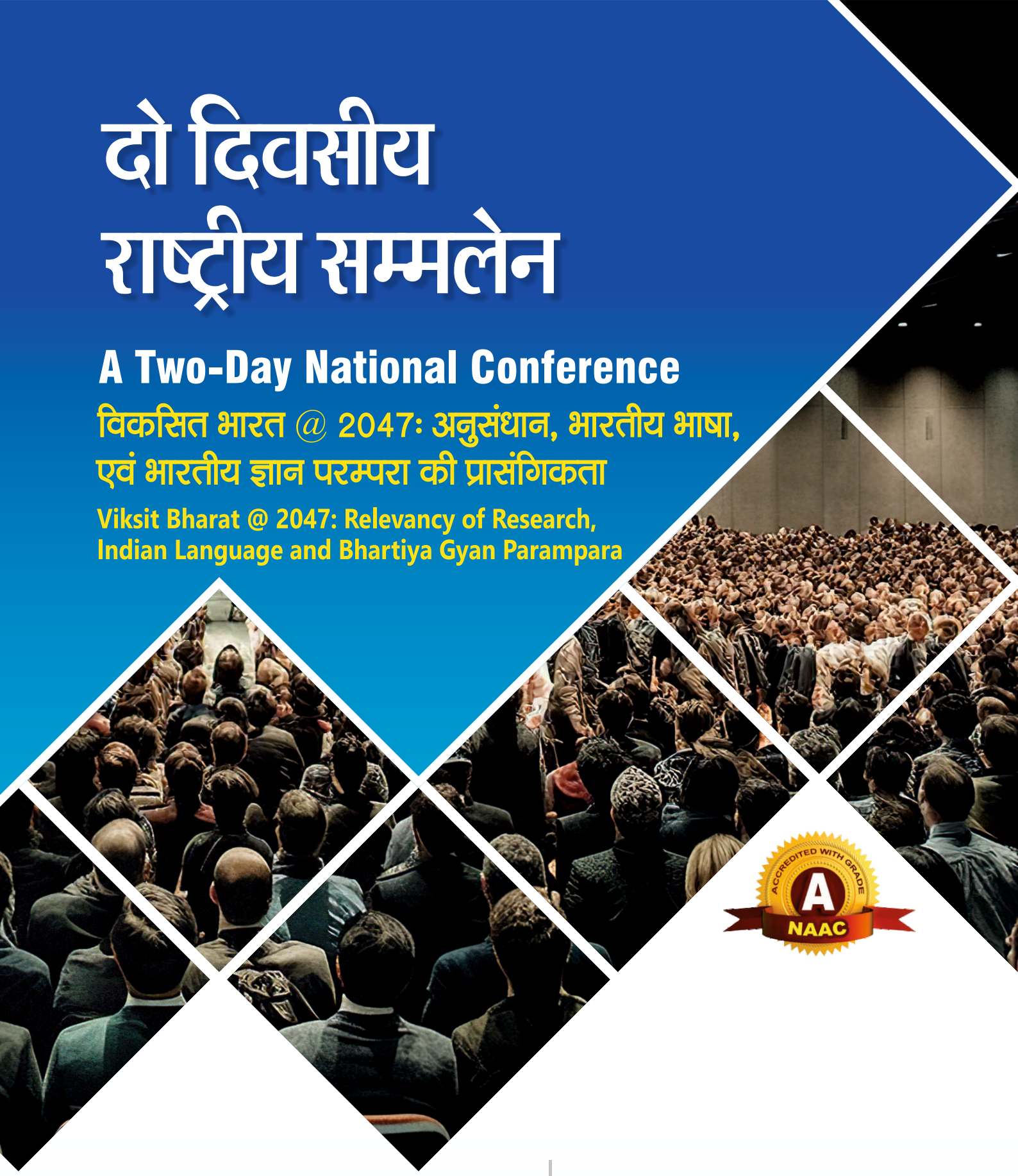

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

CVRU
विद्या परं देवता
DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY

Supported By

DIVINE
CAREER EDUCATION CONSULTANCY

दिनांक:
14-15 फरवरी 2024
(हाईब्रिड मोड)

डॉ. सी. व्ही. रमन् विश्वविद्यालय
करगी रोड, कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
(नैक द्वारा ग्रेड "A" प्रदत्त)

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

A Two-Day National Conference

विकसित भारत @ 2047: अनुसंधान, भारतीय भाषा, एवं भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता

Viksit Bharat @ 2047: Relevancy of Research, Indian Language and Bhartiya Gyan Parampara

दिनांक: 14-15 फरवरी 2024

(हाईब्रिड मोड)

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगी रोड,कोटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

(नैक द्वारा ग्रेड "A" प्रदत्त)

आयोजकः भाषा विज्ञान विभाग, छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ, वनमाली शोध एवं सृजनपीठ, भारतीय ज्ञान परम्परा क्रेन्द्र एवं आई. क्यू. ए. सी.

सहआयोजकः शासकीय दूधाधारी श्री राजेश्वरी महन्त वैष्णव दास स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.), शासकीय महाविद्यालय कोतरी, शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय करगी रोड कोटा, (छ.ग.)

विश्वविद्यालय का परिचय

नैक से **ए ग्रेड** प्राप्त डॉ. सी. व्ही. रमन् विश्वविद्यालय (सीवीआरयू), छत्तीसगढ़ शासन के, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना 03 नवंबर 2006 को छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले के अन्तर्गत सुदूर वनांचल, आदिवासी क्षेत्र, करगी रोड, कोटा में की गई है। विश्वविद्यालय को अपने सभी केन्द्रीय नियामक एवं राज्य नियामक इकाईयों से विधिवत् अनुमति प्राप्त है। विश्वविद्यालय, AICTE, NCTE. BCI एवं PCI से भी मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित होकर अपने उत्कृष्ट अधोसंरचना सर्वसुविधा युक्त परिसर में क्षेत्र के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की आवश्यकता को पूरा करने के साथ साथ उच्च गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा हेतु सतत् रूप से कार्य कर रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय, NAAC द्वारा 'A' GRADE से प्रत्यायित है। विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला NAAC, 'A' GRADE प्रत्यायित विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय को गुणवत्ता के लिये ISO:9001-2008 एवं ISO:9001-2015 प्रमाणित तथा स्वच्छता के लिये भारत सरकार द्वारा पुरुस्कृत विश्वविद्यालय है।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के पारंपरिक ज्ञान, लोककला, हस्तकला, लोक गायन एवं लोक परंपरा एवं लोकसंस्कृति के विकास एवं संरक्षण एवं संवर्धन के लिये विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता केन्द्र, छत्तीसगढ़ संजोही, वनमाली सृजन पीठ, छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ, Raman Centre of Science Communication एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग स्थापित है। उत्कृष्टता केन्द्र के द्वारा "रमन लोक कला" महोत्सव एवं "विश्वरंग" जैसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों के पारंपरिक कला प्रतिभा को मंच प्रदान किया जाता है।

विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग का परिचय

भाषा विज्ञान विभाग सन् 2011 स्थापित हुआ। जिसमें भाषा के शोध एवं सृजन के लिए सतत् रूप से कार्य किया जा रहा हैं। विश्वविद्यालय का भाषा विज्ञान विभाग भाषा के संरक्षण, संवर्धन के लिये सतत् रूप से प्रयासशील हैं तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के भाषा उन्नयन के लिये सतत् रूप से कार्य करते रहता हैं।

विश्वविद्यालय में न केवल हिन्दी बल्कि संस्कृत, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी की मातृभाषा के अध्ययन-अध्यापन की सुविधा उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान विभाग के अंतर्गत बी.ए., एम.ए., (हिन्दी, अंग्रेजी,संस्कृत, औंर छत्तीसगढ़ी भाषा) संचालित हैं तथा विभिन्न भाषा के क्षेत्र में शोध का कार्य भी विस्तृत रूप से संचालित किया जा रहा हैं।

करगी रोड़ कोटा, बिलासपुर

बिलासपुर छत्तीसगढ़ राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर हैं, यहाँ छत्तीसगढ़ राज्य का उच्च न्यायालय हैं। इसे न्याय औंर संस्कारधानी के नाम से भी जाना जाता हैं।

पहुँच मार्ग

- **सड़क/रेलः** बिलासपुर, रेल/सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। करगी रोड रेलवे स्टेशन भारतीय रेलवे के दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र के बिलासपुर रेलवे डिवीजन के तहत बिलासपुर.कटनी लाइन पर है। विश्वविद्यालय बिलासपुर कोटा मार्ग पर स्थित है एवं बिलासपुर से विश्वविद्यालय की दूरी 30 किलोमीटर है ।
- **हवाई मार्गः** निकटतम हवाई अड्डा (स्वामी विवेकानंद अंर्तराष्ट्रीय हवाई अड्डा) रायपुर है जिसकी बिलासपुर से दूरी लगभग 157 कि.मी. है।

सम्मेलन के उद्देश्य

भारत में सृष्टि के निर्माण से लेकर वर्तमान तक मानवीय गतिविधियों के साक्ष्य विद्यमान है क्योंकि भारत की संस्कृति जितनी प्राचीन है उतनी ही प्राचीन यहाँ की भाषा, ज्ञान चिंतन का भी क्षेत्र हैं। भाषा की समृद्ध परम्परा के आलोक में ''विकसित भारत @ 2047: अनुसंधान, भारतीय भाषा, एवं भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जो ज्ञान, प्रज्ञा और सत्य की खोज को वैज्ञानिक द्वष्टिकोण प्रदान करेगा। आज वैश्विक स्तर पर ज्ञान के परिद्वश्य में जो परिवर्तन दिखायी दे रहा है उसमें शोध का विशेष योगदान है, वर्तमान समय में अनुसंधान की आवश्यकता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इन्ही आवश्यकताओं की पूर्ति के पीछे अनुसंधान का उद्येश्य निर्धारित होता है अतः इस सम्मेलन का उद्येश्य इस प्रकार है-

1. नवीन तथ्यों की खोज करना या नवीन ज्ञान का पता लगाना।
2. सत्य की खोज करना तथा छिपे हुये सत्य को प्रस्तुत करना।
3. किसी घटना के बारे में नवीन जानकारी प्राप्त करना।
4. शोध कार्य में समस्याओं का निराकरण प्रस्तुत करने की क्षमता।
5. शोध कार्य को रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता।
6. विज्ञान पर आधारित वस्तुपरक ज्ञान प्राप्त करना।
7. शोध के द्वारा ज्ञान भण्डार को विकसित एवं परिमार्जित करना।

सम्मेलन के उप विषयः

(संस्कृत)

1. वैदिक वाड.गमय में शोध दृष्टि
2. प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसंधान की उपादेयता
3. प्राचीन ऋषि एवं शोध
4. संस्कृत साहित्य में शोध की उपादेयता
5. शोध का प्राचीन स्वरूप
6. संस्कृत शास्त्र परम्परा में शोध की भूमिका

(हिन्दी)

1. इक्कीसवीं सदी में हिन्दी की प्रक्रीर्ण विधाओं में शोध
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य में विविध विमर्श
3. साहित्य और शोध का अंतः संबंध
4. हिन्दी साहित्य में शोध की भूमिका।
5. अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता।
6. आधुनिक युग में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

(छत्तीसगढ़ी)

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य में शोध की दशा
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और शोध
3. छत्तीसगढ़ की संस्कृति में शोध की आवश्यकता।
4. छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती जनजातियों में शोध।
5. छत्तीसगढ़ी लोक कलाओं में शोध की उपादेयता।
6. छत्तीसगढ़ी भाषा में शोध की संभावनाएं

(English)

1. English Studies in India
2. Role of English language in present Scenario in India
3. English Education in India
4. Skill Development Research in India
5. Literature Review and Research
6. English literature and ancient language

टीप - उपरोक्त उप बिन्दुओं के अतिरिक्त अन्य शीर्षकों में भी शोध आलेख भेजे जा सकते है।

शोध-पत्र/आलेख प्रकाशन के लिए दिशानिर्देश-

- शोध-पत्र/आलेख मौलिक एवं संदर्भ सहित हो तथा लेखक का नाम, पदनाम, पूर्ण पता, मो.नं. का उल्लेख अवश्य करें।
- शोधार्थी अपना शोध-विषय एवं वि. वि. के नाम उल्लेख करें।
- हिन्दी / संस्कृत / छत्तीसगढ़ी शोध-पत्र/आलेख. Kruti Dev 010, Font Size-14, Word file
- English Papers to use MS Word, Times New Roman font, 12 size and single spacing, 3000-4000 words in MLA Style (8th Edition)
- शोध पत्र / आलेख चयन समिति द्वारा स्वीकृत होने पर **ISBN** पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा। चयनित आलेखों के लेखकों को पृथक से सूचित किया जाएगा। प्रकाशन की राशि अलग से देय होगी।

शोध-पत्र/आलेख भेजने हेतु
ई-मेल आई डी cvrucon2024@gmail.com

आवश्यक टीप-

1. प्रतिभागियों को टी.ए., डी.ए. की पात्रता नहीं होगी।
2. संगोष्ठी किट एवं भोजन आदि की व्यवस्था की जायेगी।
3. ठहरने की व्यवस्था प्रतिभागियों को स्वयं करनी होगी।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

सारांश:	30 जनवरी, 2024
स्वीकृति की समय सीमा:	02 फरवरी, 2024
पूर्ण आलेख जमा करना:	10 फरवरी, 2024

पंजीयन शुल्क
केवल पंजीकृत उम्मीदवारों को ही भागीदारी ई-प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।
प्राध्यापक व अन्य: **रु. 1000/-**
रिसर्च स्कॉलर : **रु. 700/-**
यूजी/पीजी स्टूडेंट: **रु. 500/-**

सभी भुगतान **विश्वविद्यालय की वेबसाइट**- www.cvru.ac.in. के माध्यम से **ऑनलाइन** गेटवे के माध्यम से किए जाने चाहिए।

Account Name :- Dr. C.V. Raman University
Account No. :- 946820110000001
IFSC Code :- BKID0009468, Bank : Bank of India, Branch- Ranisagar, Bilaspur C.G.

पत्रव्यवहार हेतु पता:

डॉ. गुरप्रीत कौर
विभागाध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग
मोबाइल: 7976710477
ई-मेल: grupreet.kour@cvru.ac.in
डॉ. सी. व्ही. रमन् विश्वविद्यालय
करगी रोड, कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.) 495113

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

A Two-Day National Conference

विकसित भारत @ 2047: अनुसंधान, भारतीय भाषा, एवं भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता

Viksit Bharat @ 2047: Relevancy of Research, Indian Language and Bhartiya Gyan Parampara

दिनांक: 14-15 फरवरी 2024

पंजीकरण फॉर्म

नाम : .....

पद : .....

संगठन : .....

पता : .....

चल दूरभाष : .....

ईमेल : .....

प्रकाशित करने के लिए सहमति (वाई/एन) : .....

पंजीकरण शुल्क का विवरण:

डीडी पर खींचा गया : .....

राशि (रुपये में) : .....

डिमांड ड्राफ्ट नंबर : .....

दिनांक :

जगह :

आवेदक के हस्ताक्षर

आवेदक सम्मेलन के लिए प्रायोजित है। उसे सम्मेलन में भाग लेने की अनुमति है।

दिनांक:

हस्ताक्षर और मुहर

मुख्य संरक्षक

श्री संतोष चौबे
(माननीय कुलाधिपति, सीवीआरयू)
श्री नितिन वत्स
(माननीय समकुलाधिपति, सीवीआरयू)

संरक्षक

प्रो. आर.पी. दुबे
(माननीय कुलपति, सीवीआरयू)
प्रो. जयति चटर्जी मित्रा
(माननीय समकुलपति, सीवीआरयू)

उपदेशक

श्री गौरव शुक्ला
(माननीय कुलसचिव, सीवीआरयू)

सलाहकार समिति

प्रो. अरविन्द कुमार तिवारी
(अकाद्मिक अधिष्ठाता, सीवीआरयू)
प्रो. वेद प्रकाश मिश्र
(संकायाध्यक्ष, कला संकाय)

सम्मेलन समन्वयक

डॉ. गुरप्रीत कौर
(विभागाध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग)

सहायक समन्वयक

डॉ. आंचल श्रीवास्तव
(प्रमुख, हिंदी)
डॉ. रेखा दुबे
(प्रमुख, छत्तीसगढ़ी)
प्रो. मनीषा द्विवेदी,
(वरिष्ठ प्राध्यापक, अंग्रेजी)
डॉ. कल्पना अभिषेक पाठक
(विभागाध्यक्ष, हिन्दी, कोतरी महाविद्यालय)
डॉ. शान्तनु घोष
(विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी, शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय)
डॉ. राघवेन्द्र कुमार शर्मा
(शासकीय दूधाधारी श्री राजेश्वरी महन्त वैष्णवदास स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय)

आयोजन सचिव

डॉ. स्नेहलता निर्मलकर
सह.प्राध्यापक हिंदी
डॉ. कृष्ण कुमार भास्कर
सहा. प्राध्यापक, संस्कृत
डॉ. शाहिद हुसैन
सहा. प्राध्यापक, हिंदी
श्रीमति सुनीला पटेल
सहा. प्राध्यापक,अंग्रेजी
श्री अनिल खाण्डे
सहा. प्राध्यापक, अंग्रेजी
श्री दिग्विजय सुमन
सहा. प्राध्यापक छत्तीसगढ़ी

आयोजन समिति

डॉ. ओमप्रकाश तिवारी
सह.प्राध्यापक
डॉ. रेनू शुक्ला
सहा. प्राध्यापक
डॉ. मंजू भट्ट
सहा. प्राध्यापक
डॉ. अनुपा थॉमस
सहा. प्राध्यापक
डॉ. श्यामता साहू
सहा. प्राध्यापक
डॉ. राधा शर्मा
सहा. प्राध्यापक
डॉ. मिथलेश सिंह राजपूत
सहा. प्राध्यापक

आयोजन समिति

श्री प्रकाश मिश्रा
सहा. प्राध्यापक
श्री श्रीप्रकाश तिवारी
सहा. प्राध्यापक
सुश्री रूपाली पान्डेय
सहा. प्राध्यापक
सुश्री प्रज्ञा शर्मा
सहा. प्राध्यापक
श्री आदित्य कुमार
संगणक ऑपरेटर
श्री प्रहलाद जायसवाल
संगणक ऑपरेटर
श्री अजय सोनी
संगणक ऑपरेटर

अतिथि वक्ता -

प्रो. रामबहादुर शुक्ला
विभागाध्यक्ष
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू कश्मीर

डॉ. सविता मिश्रा
विभागाध्यक्ष,
शासकीय दू.बा. महिला स्ना. स्वशासी
महाविद्यालयय रायपुर (छ.ग.)

डॉ. सतीश चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्राध्यापक,
हिन्दी, गुना (म.प्र.)

डॉ. ऋतुराज आनंद
लेखक, कवि, सहायक प्राध्यापक
(इंग्लिश विभाग), मोतीलाल नेहरू
कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. मो. शाकिर शैख
विभागाध्यक, सह प्राध्यापक हिंदी विभाग,
अंजुमन खैरुल इस्लाम पूना कॉलेज
ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स

डॉ. शारदा प्रसाद
प्राचार्य
रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़
कैण्ट, झारखंड

प्रो. शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी,
संस्कृत विभाग एवं संयुक्तसचिव,
मालवीयभवन काशी
हिन्दु विश्वविद्यालय

डॉ. जसकिरण चौपड़ा
लेखक, द पायनियर न्यूज़पेपर
में विशेष संवाददाता, पूर्व यूएनआई
उत्तराखंड ब्यूरो प्रमुख, हेमवती नंदन
बहुगुणा गड़वाल विश्वविद्यालय ,देहरादून ,
उत्तराखंड (प्राध्यापक इंग्लिश विभाग)

डॉ. सी. व्ही. रमन् विश्वविद्यालय करगी रोड, कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
फोनः 07753-253801. **फैक्सः** 07753-25372, **वेबसाइटः** www.cvru.ac.in
ई-मेलः info@cvru.ac.in